८१. सोता क्या जाग

सोता क्या जाग, भडक उठी है आग
समय आया है देख तूफाँनका रे
मेहेर तुझे जगा रहा है रे । जाग जा ॥धृ.॥

धरतीपर धूम है नाश की हवाभी है
मानवता बेखबरसी आज है
शांतीका मंत्र है हाथों मे शस्त्र है
ईश्वरको मानो ये आव्हान है
इसको पहचान दे दे हालतपर ध्यान ।
समय आया है ॥१॥

Scanned by CamScanner

झूठी वाणी न चल विषयबंध तोड चल
तेरी अगर संकटमे जान जले
नींदासे मोड मूँह धोकेसे दौड तू
विपदा हो शान मेहेर दामनको थाम ।
समय आया है ॥२॥

तुझको विश्वास है तो मेहेरभी साथ है
हर घडी समझ वो तेरे पास है
श्वास श्वास पर सुमर नाम एक मेहेर मेहेर
फिर तो तेरी नाव नदी पार है
मेहेर महिमान मधुसूदन पहचान ॥
समय आया है ॥३॥

Scanned by CamScanner